से नफरत प्राप्त होता हैं और मोहोबत से मोहोबत जब को लोग प्यार में थे और उसी के इंतज़ार में थे, उन्होनें कभी भी ना बाहर आने वाली सच्चाई को बाहर लियाया। अगर आईशा प्रेम के प्यार के प्रति जुड़े नहीं जाती और उसकी इंतजार नहीं करती तो उसे इक्राम के लोग कभी भी पकड़ के नहीं लेजाते और वह सचाई नहीं देख पाती। और अगर प्रेम आईशा के प्यार के प्रति उसका इंतजार नहीं करता तो वो कभी भी उसके पास नही पहुच पाता और नाकी सच्चाई जानकर भी बँधी हुई आईशा को खोल पाना और इक्राम अली जैसे एक शख्स का पता मिलता। वो दोनो गाँव आपस में लड़ाई कर-कर मर जाते थें। लेकिन आज वो आपस प्यार कर कर एक दुसरे की मदत कर कर खुशी सें शाँती सें अपना जीवन गुजार रहें हैं।

इस सें हमें यह पता चलता ~~हैं की~~ जहाँ प्यार, वहाँ इँतज़ार और जहाँ इँतज़ार वहाँ हैं असली जीत।